हिंदी (लोकभारती) : बोर्ड की कृतिपत्रिका (मार्च 2021)

समय : 3 घंटे] **[कुल अंक : 80**

सूचना : कोव्हिड-19 के कारण यह परीक्षा नहीं हुई।

हिंदी (लोकभारती) : बोर्ड की कृतिपत्रिका (सितंबर 2021)

(आदर्श उत्तरों सहित)

समय : 3.00 घंटे] **[कुल अंक : 80**

सूचना : *(1) सूचनाओं के अनुसार गद्‌य, पद्‌य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।*

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्‌ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्‌य : 20 अंक

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8 अंक**

टाँग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे। ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है। जनरल वार्ड का तो एक नियम होता है कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है कि ''हे मेरे परिचितो, रिश्तेदारो, मित्रो! आओ, जब जी चाहे आओ, चाहे जितनी देर रुको, समय का कोई बंधन नहीं। अपने सारे बदले लेने का यही वक्त है।'' बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी। मिलने वालों का खयाल आते ही मुझे लगा मेरी दूसरी भी टाँग टूट गई।

मुझसे मिलने के लिए सबसे पहले वे लोग आए जिनकी टाँग या कुछ और टूटने पर मैं कभी उनसे मिलने गया था, मानो वे इसी दिन का इंतजार कर रहे थे कि कब मेरी टाँग टूटे और कब वे अपना एहसान चुकाएँ। इनकी हमदर्दी में यह बात खास छिपी रहती है कि देख बेटा, वक्त सब पर आता है।

(1) उत्तर लिखिए : **2**

(i) लेखक को उनकी फिक्र हुई – ------------------------------

(ii) मरीज के आराम हराम होने का कारण – ------------------------------

(2) लिखिए : **2**

(i) हमदर्दी में छिपी हुई खास बात ------------------------------

(ii) विशेषता लिखिए :

(1) जनरल वार्ड →

(2) प्राइवेट वार्ड →

(3) गद्‌यांश से ढूँढ़कर लिखिए : **2**

(i) शब्द-युग्म :

(1) -------------

(2) -------------

(ii) समान अर्थ वाले शब्द :

(1) सहानुभूति –   (2) समय –

(4) 'मरीज का दुख बढ़ाने से बेहतर है, उसका आनंद बढ़ाएँ' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र. 1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्‍यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8 अंक**

प्रिय सरोज,

जिस आश्रम की कल्पना की है उसके बारे में कुछ ज्यादा लिखूँ तो बहन को सोचने में मदद होगी, आश्रम यानी होम (घर) उसकी व्यवस्था में या संचालन में किसी पुरुष का संबंध न हो। उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए। उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे, लेकिन कहीं माँगने नहीं जाना है। जो महिला आएगी वह अपने खाने-पीने की तथा कपड़ेलत्ते की व्यवस्था करके ही आए। वह यदि गरीब है तो उसकी सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए। पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए। दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती है। आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महीने का नोटिस देकर किसी को आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा।

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अत: सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा। आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए। आरंभ में पढ़ाई या उद्‍योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्‍योग सिखाए जाएँ।

(1) एक-दो शब्दों में उत्तर लिखिए : **2**

(i) इनके बिना दाखिल होना असंभव – ---------------------

(ii) आरंभ में इनकी व्यवस्था नहीं हो सकती – ---------------------

(2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों : **2**

(i) विज्ञापन   (ii) सादगी

(3) (i) **1**

गद्‍यांश में उल्लिखित विदेशी (अंग्रेजी) शब्द –

------------------------   ------------------------

(ii) गद्‍यांश में उल्लिखित समानार्थी शब्द : **1**

(1) समाचारपत्र – ---------------------

(2) सहायता – ---------------------

(4) 'जीवन में सद्‍गुणों का महत्त्व' विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

प्र. 1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

मनुष्य का अपने कर्म पर अधिकार है। वह कर्म के अनुसार फल प्राप्त करता है। अच्छे कर्म करने पर उसे फल भी अच्छा मिलता है। बुरे कर्म का परिणाम बुरा ही होता है। कर्म करना बीज बोने के समान होता है। जैसा बीज बोता है, वैसा ही पेड़ और वैसे ही फल होते हैं। एक कहावत है, ''बोया पेड़ बबूल का, तो आम कहाँ से खाय?'' इसलिए बड़े-से-बड़े अपराधी भी जीवन के अंत में बुरी मृत्यु पाते हैं। हमारा व्यक्तित्व हमारे कर्मों का प्रतिबिंब है। अगर हम आजीवन कुछ पाने के लिए भागदौड़ करते हैं, तो इससे हमारा जीवन भी अशांत होता है। एक छात्र परिश्रम की राह चलता है तो उसे सफलता तथा संतुष्टि का फल प्राप्त होता है। दूसरा छात्र नकल और प्रवंचना की जीवन बिताता है। दुष्ट लोगों के बीच जीना भी तो एक दंड है, अशांति है। अत: मनुष्य को अच्छे कर्म करने चाहिए। इसी से मन में सच्चा आनंद, सुख जागता है, सच्ची शांति मिलती है।

(1) कारण लिखिए : **2**

(i) मनुष्य को अच्छे कर्म करने चाहिए – -------------

(ii) मनुष्य का जीवन अशांत होना – -------------

(2) 'जैसा करोगे, वैसा भरोगे' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 : पद्य : 12 अंक

प्र. 2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6 अंक**

वे रोष में आकर बोले–स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा–सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ।
वे झुँझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविताओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़ लो
वे कड़ककर बोले, चाँदी कहाँ है?
मैं भड़ककर बोला – मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे
वे उद्भ्रांत होकर बोले,
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ हैं?

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : **2**

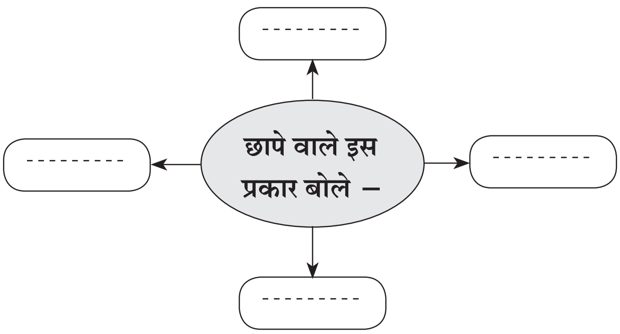

(2) (i) पद्यांश से विलोम अर्थ वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) पुरानी × ....

(2) अधिकृत × ....

(ii) वचन परिवर्तन करके लिखिए : **1**

(1) रूप – ....

(2) कविता – ....

(3) पद्यांश में से अंतिम चार, 'वे कड़ककर ...... नोट कहाँ हैं?', पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

प्र. 2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6 अंक**

> मेरे तो गिरिधर गोपाल, दूसरो न कोई
> जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई।
>
> छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई?
> संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई।
>
> अँसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेलि बोई।
> अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई।।
>
> दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई।
> माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई।।
>
> भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई।
> दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोही।।

(1) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : **2**

(i) कन्हैया के नाम –

(1) .... (2) ....

(ii) दूध से बनने वाली चीजें –

(1) .... (2) ....

(2) निम्न शब्दों के भिन्नार्थ लिखिए : **2**

(i) कुल → ...., → ....

(ii) लाल → ...., → ....

(3) पद्यांश में से प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

विभाग 3 : पूरक पठन : 8 अंक

प्र. 3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

मोथी घास और पटरे की रंगीन शीतलपाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी-चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी-टोपी तथा इसी तरह के बहुत-से काम हैं जिन्हें सिरचन के सिवा गाँव में और कोई नहीं जानता। यह दूसरी बात है कि अब गाँव में ऐसे कामों को बेकाम का काम समझते हैं लोग। बेकाम का काम जिसकी मजदूरी में अनाज या पैसे की कोई जरूरत नहीं। पेट भर खिला दो, काम पूरा होने पर एकाध पुराना-धुराना कपड़ा देकर विदा करो। वह कुछ भी नहीं बोलेगा।...

कुछ भी नहीं बोलेगा, ऐसी बात नहीं, सिरचन को बुलाने वाले जानते हैं, सिरचन बात करने में भी कारगर है।... महाजन टोले के भज्जू महाजन की बेटी सिरचन की बात सुनकर तिलमिला उठी थी – ''ठहरो! मैं माँ से जाकर कहती हूँ। इतनी बड़ी बात!''

(1) जोड़ियाँ मिलाकर फिर-से लिखिए : **2**

'अ'	'आ'
(i) रंगीन	(अ) चिक
(ii) सतरंगे डोर	(आ) शीतलपाटी
(iii) झिलमिलाती	(इ) मोढ़े
(iv) सूखे पत्ते	(ई) बड़े-बड़े जाले
	(उ) छतरी-टोपी

(2) 'कला जीवन को समृद्ध बनाती है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र. 3. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थीं झाँसी की रानी।
रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थीं मर्दानी।
जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला।
सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी बाला।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं...

(1) वर्गीकरण कीजिए : **2**

ऐतिहासिक चरित्र	पौराणिक चरित्र
(i) -------------	(i) -------------
(ii) -------------	(ii) -------------

(2) 'नारी अबला नहीं सबला है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 : भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र. 4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **14 अंक**

(1) निम्नलिखित वाक्य में से अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए : **1**

उस समय तो क्रांतिकारी आंदोलन भी हो रहे थे।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) के अलावा (ii) और।

(3) कृति पूर्ण कीजिए : *(दो में से कोई एक)* **1**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
----------------	महा + आत्मा	---------------------

अथवा

संतोष	------ + ------	---------------------

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : **1**

(i) मानू इतना ही बोल सकी।

(ii) अब वही रोने की आवाज मुझे पड़ोस के कमरे से सुनाई पड़ी।

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का 'प्रथम' तथा 'द्‌वितीय' प्रेरणार्थक रूप लिखिए : **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) जलना	-----------------------	-----------------------
(ii) खाना	-----------------------	-----------------------

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) सीना तानकर खड़े रहना – (ii) देखते रह जाना –

अथवा

- **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :**

  (गला फाड़ना, इज्जत उतारना)

  क्या आपने मुझे अपमानित करने के लिए यहाँ बुलाया था?

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए : **1**

(i) हमारे शहर में एक कवि हैं।

(ii) जीने के लिए अब कुछ ही वर्ष बचे हैं।

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए : **1**

क्यों क्या हुआ गाने को पूरा करो उमा।

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : **2**

(i) मँझली भाभी अपने कमरे में बैठकर रोई। *(अपूर्ण भूतकाल)*

(ii) नागर जी की लेखन शैली ने मुझे बहुत प्रभावित किया। *(पूर्ण वर्तमानकाल)*

(iii) इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी। *(सामान्य भविष्यकाल)*

(10) (i) **निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए :** 1

अधिकारियों के चेहरे पर हलकी-सी मुस्कान और उत्सुकता छा गई।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :** 1

(1) क्या, सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन किया? *(विधानार्थक वाक्य)*

(2) इससे अधिक शोकमय दृश्य असंभव था। *(निषेधार्थक वाक्य)*

(11) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए :** 2

(i) मैं मेरे देश को प्रेम करता हूँ।

(ii) सामने शेर देखकर यात्री का प्राण मानो मुरझा गया।

(iii) इस बार मेरी छोटि बहन पहले बार ससुराल जा रही थी।

विभाग 5 : रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र. 5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए : **26 अंक**

(अ) (1) पत्र-लेखन : **5 अंक**

- **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए :**

विजय/विजया चौधरी, विजय चौक, नागपुर से अपने मित्र/सहेली राम/राधा सिरढोण, सरदार नगर, लातूर को कोरोना (कोव्हिड-19) की सावधानी लेने की सलाह देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

माननीय व्यवस्थापक, बजाज ऑटो लिमिटेड, औरंगाबाद को सुजय/सुजया लहाने, गजानन नगर, औरंगाबाद से लिपिक पद के लिए आवेदन पत्र लिखता/लिखती है।

(2) गद्य आकलन—प्रश्ननिर्मिति :

- **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों :** **4 अंक**

भारतीय जनता से मुझे इतना प्रेम और स्नेह मिला है कि मैं, चाहे जो भी कुछ क्यों न करूँ, उसके अल्पांश का बदला नहीं चुका सकता। सच तो यह है, प्रेम जैसी अमूल्य वस्तु का बदला चुकाया ही नहीं जा सकता। मैं तो केवल यह आशा कर सकता हूँ कि जितने दिन मैं और जीवित रहूँ, अपने देशवासियों के और उनके प्यार के योग्य बना रहूँ। मेरी इच्छा है कि मरने के बाद मेरा दाह संस्कार कर दिया जाए। यदि मैं विदेश में मरूँ तो दाहकर्म वहीं कर दिया जाए और मेरी भस्म प्रयाग भेज दी जाए। उसकी एक मुट्ठी गंगा में प्रवाहित कर दी जाए। भस्म का शेष भाग, विमान द्वारा ऊपर से, उन खेतों पर बिखेर दिया जाए, जहाँ भारत के किसान अपना पसीना बहाते हैं, ताकि वह भस्म भारत की धूल और मिट्टी में मिलकर भारत का अभिन्न अंग बन जाए।

प्र. 5. (आ)

(1) वृत्तांत-लेखन : **5 अंक**

न्यू हाईस्कूल, भूम, जिला उस्मानाबाद में संपन्न 'हिंदी दिवस' समारोह का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत-लेखन कीजिए। (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी-लेखन :

- **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :**

दूर-दूर से पानी लाना – सभी परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से – केवल एक आदमी – काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – तालाब की खुदाई – बरसात के दिनों जमकर बारिश – तालाब का भरना – सीख।

(2) विज्ञापन-लेखन :

- **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :** **5 अंक**

औषधालय में सहायक चाहिए

- शैक्षिक अर्हता
- अनुभव
- वेतन
- संपर्क-पता
- भ्रमणध्वनि

प्र. 5. (इ) **निबंध-लेखन :** **7 अंक**

- **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :**

(1) आधुनिक भारतीय नारी।

(2) सैनिक की आत्मकथा।

(3) विज्ञान के चमत्कार।

बोर्ड की कृतिपत्रिका के उत्तर (सितंबर 2021)

प्र. 1. (अ)

(1) (i) हमदर्दी जताने मिलने आने वालों।
(ii) बहुत परेशान करना।

(2) (i) वक्त सब पर आता है।
(ii) (1) निश्चित समय।
(2) खुला निमंत्रण।

(3) (i) (1) मिलने-जुलने।
(2) कभी-कभी।
(ii) (1) सहानुभूति – हमदर्दी।
(2) समय – वक्त।

(4) मरीज अपनी बीमारी से दुखी रहता है। शारीरिक कष्ट के अलावा उसे मानसिक कष्ट भी घेरे रहता है। ऐसी हालत में उसे जिस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है वह है आराम। मिलने-जुलने वालों द्वारा अधिक समय तक उसके पास बैठे रहने अथवा उसकी बीमारी को ले कर निराशापूर्ण बातें करना मरीज को हताश करता है। मरीज के साथ उसका हौसला बढ़ाने वाली और हल्की-फुल्की बातें करने से मरीज का ध्यान अपनी तकलीफ की ओर से कुछ समय के लिए हट जाता है और उसे आराम मिलता है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि जब हम किसी मरीज से मिलें तो ऐसी हरकतें न करें, जिससे उसका दुख बढ़े। बल्कि उसके आराम का ध्यान रखें और उसका हौसला बढ़ाएँ। इससे उसे प्रसन्नता होगी।

प्र. 1. (आ)

(1) (i) • पूरी पहचान
• परिचय।
(ii) • पढ़ाई
• उद्योग।

(2) (i) अखबार में क्या नहीं दिया जाएगा?
(ii) आश्रम में किस बात का आग्रह होना चाहिए?

(3) (i) **गद्यांश में उल्लिखित विदेशी (अंग्रेजी) शब्द –**
- होम
- नोटिस

(ii) (1) समाचारपत्र = अखबार।
(2) सहायता = मदद।

(4) सद्गुणों का अर्थ है अच्छे गुण। ऐसे गुण जो मनुष्य को मनुष्य बनाते हैं। लोग जिनके कारण दूसरों के आदर्श बन जाते हैं और लोग उनसे प्रेरणा लेकर अपना जीवन सँवारने का प्रयास करते हैं। अच्छे गुणों वाला व्यक्ति अपना कल्याण तो करता ही है, साथ-ही-साथ समाज और देश का भी कल्याण करता है। सच्चाई, इमानदारी, वाणी की मधुरता, प्रेम, परोपकार, भाईचारा, करुणा, दया, लोगों का हित करने की भावना, विश्वास, विनम्रता,

न्याय, देश-प्रेम तथा सभी धर्मों एवं जातियों के प्रति समान भाव रखना अच्छे गुणों की पहचान हैं। सद्गुणी व्यक्ति के लिए अपने पराए में अंतर नहीं होता। उसके लिए सभी अपने होते हैं। ऐसे व्यक्ति सभी के पूज्य बन जाते हैं। इस तरह सद्गुण जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्र. 1. (इ)

(1) (i) क्योंकि, इसी से मन में सच्चा आनंद, सुख जागता है, सच्ची शांति मिलती है।

(ii) कारण मनुष्य आजीवन कुछ पाने के लिए भाग-दौड़ करता है, तो इससे मनुष्य का जीवन अशांत होता है।

(2) आदि काल से हमारे संत-महात्मा यह बात कहते आए हैं कि 'जैसी करनी करोगे, वैसा फल मिलेगा।' समझदार लोग इस कहावत को अपने जीवन का मूल मंत्र मान कर कार्य करते हैं और उन्हें अपने कार्य में सफलता प्राप्त होती है। यह सिद्धांत जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लागू होता है। हम किसी का बुरा करेंगे, तो उससे अपने साथ अच्छा करने की उम्मीद नहीं कर सकते। इसलिए मनुष्य को सदा अच्छे कर्म करना चाहिए। अच्छे कर्मों के बल पर मनुष्य को अच्छा स्थान प्राप्त हो सकता है। हम किसी को कष्ट देने के लिए गड्ढा खोदेंगे, तो हम भी कभी उसमें गिरेंगे। बुरे कर्म का फल सदा बुरा ही होता है। किसी भी व्यक्ति की सफलता उसके अच्छे अथवा बुरे कार्यों पर निर्भर करती है। अनेक महान लोगों ने अपने अच्छे कार्यों के बल पर उच्च स्थान प्राप्त किया है, जबकि अत्याचार और भ्रष्टाचार करने वाले लोग अपनी करनी का फल भोग रहे हैं।

प्र. 2. (अ)

(1)

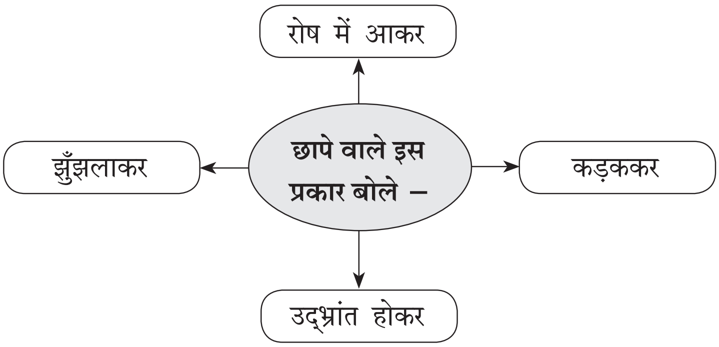

(2) (i) (1) पुरानी × नई

(2) अधिकृत × अनधिकृत।

(ii) (1) रूप – रूप

(2) कविता – कविताएँ।

(3) अधिकारी कड़ककर कवि से छुपाकर रखी गई चाँदी निकालने के लिए कहते हैं। कवि चाँदी का अर्थ चाँदी जैसे सफेद हो गए अपने बालों से जोड़कर गुस्से से कहते हैं, ''चाँदी तो मेरे सिर के बालों में आ रही है।'' अधिकारी हैरान होकर पूछते हैं कि उनके नोट (रुपये) कहाँ हैं?

प्र. 2. (आ)

(1) (i) (1) गिरिधर

(2) गोपाल।

(ii) (1) माखन

(2) छाछ।

(2) (i) कुल → – वंश/घराना
→ – जोड़/संपूर्ण

(ii) लाल → – एक रंग
→ – बच्चा/बालक

(4) गिरि को धारण करने वाले, गायों के पालक कृष्ण के सिवा मेरा और कोई नहीं है। जिनके मस्तक पर मोर का मुकुट शोभित है, वे ही मेरे पति हैं। उनके लिए मैंने कुल की मर्यादा छोड़ दी है। चाहे कोई मुझे कुछ भी कहे। संतों के साथ बैठ-बैठकर मैंने लोकलाज त्याग दी है।

प्र. 3. (अ)

(1) (i) रंगीन – शीतलपाटी
(ii) सतरंगे डोर – मोढ़
(iii) झिलमिलाती – चिक
(iv) सूखे पत्ते – छतरी-टोपी।

(2) हमारे जीवन में कला का बहुत महत्त्व है। कला के माध्यम से मनुष्य अपने भावों की अभिव्यक्ति करता है। कला में ऐसी शक्ति होती है कि वह लोगों को संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठा कर उच्च स्थान पर पहुँचा देती है। कला व्यक्ति के परिवार, धर्म, जाति की सीमाएँ मिटा कर उसे व्यापकता प्रदान करती है। आज विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की तकनीकी कलाएँ सीख कर लोग अनेक महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं। गाँवों में लघु उद्‌योगों में काम करने वाले अनेक लोग अपनी पारंपरिक कलाओं के बल पर तरह-तरह के कार्य कर रहे हैं। इनके बल पर उनका जीवन समृद्‌ध हुआ है। कला को सीखने और उसे उच्चता प्राप्त करने के लिए साधना की आवश्यकता होती है। उसमें व्यस्त हो कर गुणी कलाकार ऐसा आनंद प्राप्त करता है कि अपने दुख-दर्द और स्वयं तक को भूल जाता है। कला कलाकार के जीवन को समृद्‌ध बना देती है।

प्र. 3. (आ)

(1)

ऐतिहासिक चरित्र	पौराणिक चरित्र
(i) लक्ष्मीबाई	(i) सीता
(ii) चाँद बीबी	(ii) सावित्री

(2) एक समय था जब हमारा समाज पुरुष प्रधान था। स्त्रियों को पढ़ने-लिखने का मौका नहीं दिया जाता था। उन्हें तब पुरुष की अवहेलना झेलनी पड़ती थी। स्त्रियों को तब अबला कहा जाता। वे हर प्रकार से असहाय हुआ करती थीं। पर आजादी मिलने के पश्चात स्त्रियों को बाहर निकलने का अवसर मिला। लड़कियों को स्कूल भेजा जाने लगा। आज शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण स्त्रियों की स्थिति में अभूतपूर्व बदलाव आया है। आज की स्त्रियाँ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों की बराबरी कर रही हैं। वे शिक्षक, प्रोफेसर और प्रिंसिपल हैं। न्यायालयों में वकील और जज हैं। वे जल-थल-वायु सेना में कार्यरत हैं। वे विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा की सदस्य हैं। वे राज्यों की मुख्यमंत्री, राज्यपाल हैं। वे देश की प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पदों पर आसीन हो चुकी हैं। इतना ही नहीं, भारतीय मूल की कमला हैरिस आजकल अमेरिका के उपराष्ट्रपति के पद पर आसीन हैं।

इस तरह नारी आज अबला नहीं सबला बन चुकी है। आज तो उसके विकास की तरह-तरह की योजनाएँ बनाई जा रही हैं।

प्र. 4.

(1) उस – सर्वनाम।

(2) (i) धन के अलावा उसकी प्रतिष्ठा भी उसकी ख्याति का एक कारण है।

(ii) ज्ञान और विज्ञान दोनों ही मनुष्य के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

(3)

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
महात्मा	महा + आत्मा	स्वर संधि

अथवा

संतोष	सम् + तोष	व्यंजन संधि

(4)

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
(i) सकी	सकना
(ii) पड़ी	पड़ना

(5)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) जलना	जलाना	जलवाना
(ii) खाना	खिलाना	खिलवाना

(6) (i) सीना तानकर खड़े रहना – **अर्थ :** निर्भय होकर खड़े रहना।

वाक्य : सीमा पर देश की रक्षा के लिए भारतीय जवान सीना तानकर खड़े रहते हैं।

(ii) देखते रह जाना – **अर्थ :** आश्चर्यचकित होना।

वाक्य : लोहे के तार पर छोटे बालक को तरह-तरह के करतब दिखाते हुए देखकर दर्शक देखते रह जाते थे।

अथवा

क्या आपने मेरी इज्जत उतारने के लिए यहाँ बुलाया था?

(7)

कारक चिह्न		कारक भेद
(i)	में	अधिकरण कारक
(ii)	के लिए	संप्रदान कारक

(8) क्यों, क्या हुआ? गाने को पूरा करो उमा।

(9) (i) मँझली भाभी अपने कमरे में बैठी रो रही थी।

(ii) नागर जी की लेखन शैली ने मुझे बहुत प्रभावित किया है।

(iii) इस वर्ष बड़ी भीषण गर्मी पड़ेगी।

(10) (i) सरल वाक्य।

(ii) (1) सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन किया।

(2) इससे अधिक शोकमय दृश्य संभव नहीं था।

(11) (i) मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ।

(ii) सामने शेर देखकर यात्री के प्राण मानो मुरझा गए।

(iii) इस बार मेरी छोटी बहन पहली बार ससुराल जा रही थी।

प्र. 5. (अ), (आ) तथा (इ)...

उपयोजित लेखन की कृतियों के स्व-मूल्यमापन संबंधी

उपयोजित लेखन के प्रश्नों को हल करते हुए विद्यार्थियों को अपने विचार, अपनी भाषा में लिखने होते हैं। ये प्रश्न मुक्तोत्तरी प्रकार के प्रश्न हैं। इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं लिखें।

नमूना कृतिपत्रिका में दिए गए ऐसे प्रश्नों के उत्तर अंक योजना को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी स्वयं चेक करें और अपने द्वारा लिखे गए उत्तरों को जाँचें। आवश्यकता हो तो विद्यार्थी अपने विषय शिक्षक की सहायता लें।

उपयोजित लेखन के अधिक अभ्यास हेतु '**नवनीत हिंदी (LL) उपयोजित लेखन : कक्षा दसवीं**' में दिए गए उपयोजित लेखन के नमूनों का अध्ययन अवश्य करें।

---

* * *